

मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यो रे ॥

गली गली हरी चर्चा होवे,
जाणो सतगुरु आयो रे,
भारत भूमि अमरत बरसे,
बहुत ही आनन्द छायो रे,
मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यो रे ॥

देश देश का हरी जन आया,
भारी मेलो लाग्यो रे,
मुक्ति का दरवाजा खुली गया,
अब तो कलयुग भाग्यो रे,
मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यो रे ॥

भूल्या भटक्या जीव जो आया,
अब तो अवसर आयो रे,
तीरथ बरत तो सब ही करिया,
अब तो गंगा नहाओ रे,

मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यो रे ॥

मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यो रे ॥

प्रेषक प्रमोद पटेल ।
यूट्यूब पर 1.निमाड़ी भजन संग्रह ।
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349

https://youtu.be/KPhx_zhij1A

Source:

<https://www.bharattemples.com/moko-lagyo-re-satsangi-tharo-bhagy-jagyo-re/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>